

डॉ. टिबेरियस राटा, एज्रा- नेहेमिया , सत्र 5, एज्रा 9-10

© 2024 टिबेरियस राटा और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टिबेरियस राटा एज्रा और नेहेमिया की पुस्तकों पर अपनी शिक्षा देते हुए हैं। यह सत्र 5, एज्रा 9-10 है।

अपनी बाइबल को एज्रा अध्याय 9 पर खोलें। अध्याय 9 में हम लोगों के पाप का सामना करते हैं।

सिर्फ इसलिए कि लोग निर्वासन से वापस आ गए, इसका मतलब यह नहीं है कि वे सभी कानून या परमेश्वर का पालन करते थे। हम यहाँ अंतर्जातीय विवाह के पाप की समस्या देखते हैं। अध्याय 9 की आयत 1 से शुरू करते हैं।

1 जब ये बातें हो चुकीं, तब हाकिम मेरे पास आकर कहने लगे, कि इस्राएल के लोग, याजक, और लेवीय लोग अपने धिनौने कामों के कारण उस देश के लोगों से अलग नहीं हुए।

तो यहां दिलचस्प बात यह देखना है कि यह सिर्फ लोगों का मामला नहीं है, बल्कि जब आपके नेतृत्व में पाप होता है, तो आप समस्याओं के एक अलग स्तर पर होते हैं। याजकों और लेवीयों ने अपने घृणित कामों के द्वारा अपने आप को देश के लोगों से अलग नहीं किया है। और फिर वे सूची बनाते हैं कि ये लोग कौन हैं।

कनानी, हिती, परिज्जी, यबूसी, अम्मोनी, मोआबी, मिस्री और एमोरी। क्योंकि उन्होंने उनकी बेटियों में से कुछ को अपनी और अपने बेटों की पत्नियां बना लिया है, यहां तक कि पवित्र जाति देश के लोगों के साथ लुप्त हो गई है। और इस बेवफाई में अधिकारियों और प्रमुख लोगों का हाथ सबसे आगे रहा है।

जैसे ही मैंने यह सुना, मैंने अपना वस्त्र और लबादा फाड़ दिया और अपने सिर और दाढ़ी से बाल नोच लिए और भयभीत होकर बैठ गया। फिर वे सभी जो इस्राएल के परमेश्वर के वचनों से काँप रहे थे, क्योंकि लौटे हुए निर्वासितों की विश्वासघातीता के कारण, मेरे चारों ओर इकट्ठा हो गए, जबकि मैं शाम की बलि तक भयभीत बैठा रहा।

अब, जब अंतर्जातीय विवाह की बात आई तो परमेश्वर का नियम स्पष्ट था। फिर से, कानून ने इस्राएलियों और विदेशियों के बीच अंतर्जातीय विवाह को प्रतिबंधित कर दिया। फिर से, निर्गमन 34, श्लोक 11 से शुरू होकर, स्पष्ट है। परमेश्वर और लोग अपनी वाचा को नवीनीकृत कर रहे थे।

और हम यहाँ निर्गमन 34 में पढ़ते हैं, जो आज्ञा मैं आज तुम्हें देता हूँ उसे मानो। देखो, मैं तुम्हारे आगे से एमोरी, कनानी, हिती, परिज्जी, हिवी, और यबूसी लोगों को निकाल दूँगा। सावधान रहो, कहीं ऐसा न हो कि तुम उस देश के निवासियों से वाचा बाँध लो जहाँ तुम जा रहे हो, कहीं ऐसा न हो कि वह तुम्हारे बीच फंदा बन जाए।

और उनकी वेदियोंको ढा देना, और उनकी लाठोंको तोड़ डालना, और उनकी अशेरा नाम मूरतोंको काट डालना। क्योंकि तुम किसी अन्य परमेश्वर की आराधना न करोगे। क्योंकि प्रभु, जिसका नाम ईर्ष्यालु है, ईर्ष्यालु ईश्वर है।

कहीं ऐसा न हो कि तुम उस देश के निवासियों से वाचा बान्धो, और वे पराये देवताओं के पीछे होकर व्यभिचार करें, और अपने देवताओं के लिये बलिदान करें, और तुम को नेवता भेजा जाए। तुम उसके बलिदान में से भोजन करते हो, और उनकी बेटियों को, और अपने बेटे-बेटियों को उनके देवताओं के अनुसार व्यभिचारी बना देते हो, और अपने बेटों को उनके देवताओं के अनुसार व्यभिचारी बना देते हो।

ऐसी ही एक सूची व्यवस्थाविवरण अध्याय 4 में प्रस्तुत की गई है। जब तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें उस देश में ले जाएगा जिस पर तुम अधिकार करने के लिये जा रहे हो, और तुम्हारे साम्हने से हितियों, गिर्गाशियों, एमोरियों, कनानियों, बहुत सी जातियों को दूर कर देगा। परिज्जी, हिक्वी, और यबूसी, ये सात जातियां तुम से अधिक गिनती में और सामर्थी हैं। और जब तुम्हारा परमेश्वर यहोवा उन्हें तुम्हारे वश में कर दे, और तुम उन्हें हरा दो, तब तुम्हें उन्हें पूर्ण विनाश के लिये समर्पित कर देना चाहिए। तू उन से कोई वाचा न बान्धना, और न उन पर दया करना। तू उनके साथ ब्याह न करना, और न अपनी बेटियां उनके बेटों को देना, और न उनकी बेटियां अपने बेटों के लिये ले लेना। क्योंकि वे तुम्हारे पुत्रों को मेरे पीछे चलने से पराये देवताओं की उपासना करने से रोक देंगे। तब यहोवा का क्रोध तुम पर भड़क उठेगा, और वह तुम्हें शीघ्र नष्ट कर डालेगा।

यह समझना बहुत जरूरी है। यहां समस्या उनकी जातीयता नहीं थी। समस्या यह थी कि वे अन्य देवताओं की पूजा कर रहे थे। उदाहरण के लिए, मूसा ने एक इथियोपियाई से विवाह किया। बोअज़ का विवाह मोआबिन रूत से हुआ था। परन्तु फिर, ये लोग परमेश्वर के परिवार में आ गये। यहां समस्या जातीयता नहीं है।

समस्या यह है कि वे यहोवा के उपासक नहीं थे। समस्या उनकी पूजा पद्धति थी। इसका नस्लवाद से कोई लेना-देना नहीं है। इसका धार्मिक शुद्धता से संबंध था। जैसा कि फेनशाम कहते हैं, "किसी दूसरे धर्म से जुड़ी विदेशी माँ का अपने बच्चों पर प्रभाव भगवान के शुद्ध धर्म को बर्बाद कर देगा और यहूदी धर्म में हर चीज के विपरीत चलने वाला एक समन्वयवादी धर्म बनाएगा। अंत में, यह उनकी पहचान, उनकी धार्मिक पहचान के संरक्षण का सवाल था।

एज्रा ने क्या जवाब दिया? एज्रा को बहुत दुख हुआ। और उसने अपने कपड़े फाड़कर और दाढ़ी और सिर से बाल खींचकर इसे प्रकट किया। यह एक प्रथा थी कि कई प्राचीन निकट पूर्वी लोगों को शोक के संकेत के रूप में अपने कपड़े फाड़ने और अपने बालों को बिखेरना पड़ता था।

हम इसे 2 शमूएल 13, 2 राजा 22, अय्यूब 1, और यशायाह 22 में देखते हैं। कपड़े फाड़ना नग्नता का एक संशोधित अनुष्ठान है, और बालों को खींचना हजामत बनाने का एक संशोधित रूप है।

एज्रा के कार्यों से यह पता चला कि उसके हृदय में क्या है: पीड़ा और कष्ट, क्योंकि लोग अन्य देवताओं के पीछे जा रहे हैं।

वैसे, पाठ के अनुसार, अन्य ईश्वर-भक्त पुरुष और महिलाएँ एज्रा के साथ शामिल हो गए, और शाम की बलि के समय तक अपनी उपस्थिति से उसकी सेवा करते रहे। स्थिति की गंभीरता और उसके दिल में दर्द ने एज्रा को प्रार्थना में अपने घुटनों पर गिरने के लिए प्रेरित किया। फिर से, आज के ईसाई और आज के ईसाई नेता के लिए यह कितना बढ़िया उदाहरण है।

हमें अपने आप को उन लोगों के साथ पहचानना चाहिए जिनकी हम अगुआई करते हैं, और हमें उनके पापों के लिए शोक मनाना चाहिए। अपनी उंगली से इशारा नहीं करना चाहिए, प्रतिशोधी नहीं होना चाहिए, बल्कि परमेश्वर के साथ अपना दर्द साझा करना चाहिए। एज्रा की तरह आज के ईसाई नेता को प्रार्थना में काफी समय बिताने की ज़रूरत है, अंतिम उपाय के रूप में नहीं, जैसा कि हम कभी-कभी करते हैं, बल्कि पहले आवेग के रूप में।

और एज्रा प्रार्थना में परमेश्वर की ओर मुड़ता है। और यही बात अध्याय 9 के बाकी हिस्सों में भी है। शाम के बलिदान के समय, एज्रा फिर से पहले व्यक्ति में लिखता है, मैं अपने उपवास से उठा, मेरा वस्त्र और लबादा फटा हुआ था, और मैं घुटनों के बल गिर गया और अपने हाथों को यहोवा मेरे परमेश्वर की ओर फैलाते हुए कहा, हे मेरे परमेश्वर, मुझे तेरे सामने अपना मुख उठाने में शर्म और शर्म आती है, मेरे परमेश्वर, क्योंकि हमारे अधर्म हमारे सिर से भी ऊंचे हो गए हैं, और हमारा अपराध स्वर्ग तक पहुंच गया है। तुम्हारा क्या मतलब है, हमारा ? एज्रा दोषी नहीं था।

लेकिन एज्रा जो करता है, वह हर नेता को करना चाहिए, लोगों के साथ पहचान बनानी चाहिए। फिर, एक अच्छा नेता कभी भी लोगों के सामने अपना प्रतिशोधी चेहरा नहीं हिलाता, बल्कि एक अच्छा नेता लोगों के साथ अपनी पहचान बनाता है। डेनियल ने वैसा ही किया।

नहेमायाह भी वैसा ही करेगा। और एज्रा यहाँ भी वही काम करता है। जब वह कॉर्पोरेट पाप कबूल करता है तो वह खुद को अपने लोगों के साथ पहचानता है।

वह ईश्वर को मेरा ईश्वर कहता है। परन्तु ध्यान दें जब वह पाप के बारे में बात करता है, तो वह कहता है, हमारे अधर्म। वह स्वयं को लोगों के साथ पहचानता है भले ही वह उन पापों का दोषी न हो।

श्लोक 7.

7 हमारे पूर्वजों के दिनों से लेकर आज तक हम बड़े पाप करते आए हैं। और हमारे अधर्म के कारण हम, हमारे राजा और हमारे याजक देश-देश के राजाओं के हाथ में सौंप दिए गए हैं, कि हम तलवार, बन्दी, लूटमार और घोर अपमान के वश में कर दिए गए हैं, जैसा कि आज की दशा है। 8 परन्तु अब थोड़ी देर के लिये हमारे परमेश्वर यहोवा ने हम पर अनुग्रह किया है, कि हम में से कुछ लोग बचाए रखें, और अपने पवित्रस्थान में हमें एक ठिकाना दें; और हमारा परमेश्वर हमारी आंखों में ज्योति लाए, और हमें दासत्व में थोड़ी सी ताजगी दे।

एज्रा को एहसास होता है कि क्या हो रहा है। परमेश्वर ने हमें वापस लाया है। वह हमें पुनःस्थापना दे रहा है।

क्योंकि हम दास हैं, पद 9, तौभी हमारे परमेश्वर ने हमें दासत्व में नहीं त्यागा, परन्तु फारस के राजाओं के साम्हने अपना दृढ़ प्रेम हम पर बढ़ाया, कि हमें अपने परमेश्वर का भवन खड़ा करने, और उसकी मरम्मत करने के लिथे कुछ शक्ति दी। खंडहर, और हमें यहूदिया और यरूशलेम में सुरक्षा देने के लिए।

10 “और अब, हे हमारे परमेश्वर, इसके बाद हम क्या कहें? क्योंकि हम ने तेरी आज्ञाओं को त्याग दिया है, **11** जिसे तू ने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा यह आज्ञा दी, कि जिस देश के अधिकारनी होने को तू जा रहा है, वह देश देश देश के लोगोंकी अशुद्धता से और उनके घृणित कामोंके कारण अशुद्ध हो गया है, जो उस में एक सिरे से दूसरे सिरे तक भर गया है। उनकी अस्वच्छता के साथ. **12** इस कारण तू अपनी बेटियाँ उनके बेटों को न ब्याना, और न उनकी बेटियों से अपने बेटों के लिये ब्याह करना, और न उनका कुशल क्षेम ढूंढ़ना, जिस से तू बलवन्त होकर उस देश का अच्छा भला खा सके, और उसे अपने वंश के लिये सदा के लिये निज भाग करके छोड़ जाए।”

13 और हमारे बुरे कामों और बड़े अपराध के कारण जो कुछ हम पर बीता है, और हे हमारे परमेश्वर, तू ने हमारे अधर्म के योग्य से कम दण्ड हमें दिया है, और हमें इस प्रकार का बचा हुआ भाग दिया है, **14** क्या हम तेरी आज्ञाओं को फिर से तोड़कर उन लोगों से विवाह न करें जो ये घृणित काम करते हैं? क्या तू हम पर तब तक क्रोध न करेगा जब तक तू हमें नष्ट न कर दे, कि न तो कोई बचे और न कोई बचने पाए? **15** हे यहोवा, हे इस्राएल के परमेश्वर, तू तो न्यायी है, क्योंकि हम बचकर आए हैं, जैसा कि आज की स्थिति है। देख, हम अपने अपराध के कारण तेरे साम्हने खड़े हैं, क्योंकि इस कारण कोई भी तेरे साम्हने खड़ा नहीं रह सकता।”

एज्रा ने सामूहिक पाप स्वीकार किया।

एज्रा अपने लोगों से पहचान रखता है। उनके ये सभी प्रश्न अलंकारिक प्रश्न हैं जो उत्तर मांगते हैं, नहीं। क्या हम तेरी आज्ञाओं को फिर तोड़ें और उन लोगों के साथ विवाह करें जो इन घृणित कामों को करते हैं? नहीं, यह वह उत्तर है जिसका उत्तर तुरंत दिया जाना चाहिए।

क्या तू हम पर तब तक क्रोध न करेगा जब तक तू हमें भस्म न कर दे? हाँ, फिर से, यह एक अलंकारिक प्रश्न है जिसका उत्तर माँगा जा रहा है, हाँ। लेकिन ईश्वर जानता है, एज्रा जानता है कि ईश्वर कौन है, और वह अनुग्रह, न्याय और धार्मिकता का ईश्वर होने के कारण ईश्वर की प्रशंसा करता है। फिर, एज्रा की प्रार्थना आज के ईसा मसीह के अनुयायियों और आज के ईसाई नेता के लिए एक महान उदाहरण है।

हमारे चर्चों में होने वाले कार्यक्रम, चाहे कितने भी विस्तृत या असाधारण हों, कभी भी मजबूत प्रार्थना जीवन का विकल्प नहीं हो सकते। एज्रा की तरह, हमें यह सीखने की ज़रूरत है कि व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट पापों को कैसे स्वीकार किया जाए। एज्रा की तरह, हमें उन लोगों के साथ अपनी पहचान बनाना सीखना होगा जिनकी हम सेवा करते हैं।

चर्च नेतृत्व में हम जो सबसे बुरी चीज कर सकते हैं वह है हम बनाम वे की मानसिकता रखना। यह हम हैं, यह एक परिवार है। जिस नेता का रवैया पवित्र होता है, वह बहुत आगे तक नहीं पहुंच पाता।

एक सेवक का रूप लिया और हमारे लिए खुद को विनम्र बना लिया, जैसा कि पॉल फिलिप्पियों 2 में लिखता है। तो, जब शिविर में पाप होता है तो आप क्या करते हैं? नेता क्या करता है? अध्याय 10 हमें बताता है कि वह क्या करता है। वह अपने लोगों को पवित्रता की ओर बुला रहा है। वह अपने लोगों को पश्चाताप करने के लिए बुला रहा है।

अध्याय 10, पहले चार छंदों में हमारे पास यही है। उपदेश पवित्रता है। याद रखें, आपको अलग कर दिया जाएगा। तुम्हें अलग होना है।

1 जब एज्रा प्रार्थना कर रहा था और रो रहा था और परमेश्वर के घर के सामने झुक रहा था, तब इस्राएल से पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की एक बहुत बड़ी सभा उसके पास इकट्ठा हुई, क्योंकि लोग फूट-फूट कर रोने लगे। **2** और एलाम के वंश में से यहीएल का पुत्र शकन्याह ने एज्रा से कहा, “हम ने अपने परमेश्वर पर विश्वास तोड़ दिया है, और देश के लोगों में से पराई स्त्रियों से ब्याह किया है, परन्तु इसके बावजूद अब भी इस्राएल के लिए आशा है। **3 इसलिये आओ हम अपने परमेश्वर से यह वाचा बान्धें, कि हम अपने** प्रभु **की** सम्मति के अनुसार उन सब स्त्रियों और उनके बच्चों को त्याग दें, और जो हमारे परमेश्वर की आज्ञा सुनकर यरयराते हैं, उन्हें त्याग दें, और यह व्यवस्था के अनुसार किया जाए। **4** उठो, क्योंकि यह तुम्हारा काम है, और हम तुम्हारे साथ हैं; मजबूत बनो और यह करो।”

मैं यहाँ एक बहुत महत्वपूर्ण बात कहना चाहता हूँ। यह कोई निर्देशात्मक अनुच्छेद नहीं है।

आपको इसे लेकर यह नहीं कहना चाहिए कि, अरे, देखो, वे अपनी पत्नियों को तलाक दे देते हैं, और फिर अगर आप किसी गैर- विश्वासी से विवाहित हैं तो आपको भी ऐसा ही करना चाहिए। नहीं। हमें परमेश्वर की पूरी सलाह को देखना चाहिए।

और परमेश्वर तलाक से घृणा करता है। और 1 कुरिन्थियों 7 स्पष्ट है। यदि अविश्वासी जीवनसाथी यह कहना चाहता है, कि तुम तलाक मत लो, तो दो गलतियाँ एक सही नहीं बनातीं।

यह एक वर्णनात्मक अंश है। यह हमें बताता है कि क्या हुआ था। लेकिन एज्रा, फिर से, उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करना शुरू करता है।

वह लोगों के पापों के लिए प्रार्थना करता है और रोता है, हालाँकि उसने पाप नहीं किया है। फिर से, वह उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करता है। वह अपने साथ पहचान करता है।

लेकिन इस मामले में, भले ही यह व्यक्ति जो उसके पास आता है, शकन्याह, अपराधियों में सूचीबद्ध नहीं है, वह एक आम नेता है जो अपने लोगों के साथ भी पहचान रखता है। और फिर कहते हैं, हमने यह किया है। अब विदेशी महिलाओं का ये एक्सप्रेसन बहुत दिलचस्प है।

यह पुराने नियम में दस बार प्रकट होता है। यह पहली बार राजा सुलैमान के साथ दिखाई देता है, जिसने विदेशी महिलाओं से विवाह किया था। और फिर, 1 राजाओं ने उनकी पहचान मोआबी, अम्मोनी, एदोमी, सिदोनी और हिती के रूप में की।

राजाओं और एज्रा और नहेमायाह दोनों के संदर्भ से पता चलता है कि ये महिलाएँ मूर्तिपूजक, गैर-यहूदी महिलाएँ थीं। फिर, समस्या विदेशियों के साथ अंतर्विवाह की नहीं थी जिसके कारण एज्रा को इतनी घबराहट हुई, बल्कि समस्या विदेशियों के साथ थी जो समन्वयवादी, मूर्तिपूजक और मूर्तिपूजक थे। मुझे वह कैनिया पसंद है।

वह एज्रा के उदाहरण का अनुसरण करता है। वह यह नहीं कहता, अच्छा, हर कोई ऐसा कर रहा है। नहीं।

वह पाप से निपटना चाहता है और उसे सही करना चाहता है। फिर, अंतर्विवाह के पाप के दोषी लोगों को न केवल पत्नियों को, बल्कि बाइबल यहां कहती है, बच्चों को भी दूर करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। विवाह की आज की समझ को देखते हुए, यह एक बार फिर बहुत कठोर प्रस्ताव है।

लेकिन फिर, यहां समस्या यह है कि यहूदी पुरुषों ने ईश्वर के कानून के विपरीत विदेशी महिलाओं से शादी की। इन शादियों को शुरू से ही अवैध माना जाता था। यह करना आसान बात नहीं है।

इसीलिए यह उपदेश, मजबूत बनो, बहुत, बहुत महत्वपूर्ण था। यह एज्रा को व्यवस्थाविवरण 31 में यहोशू को मूसा के उत्साहवर्धक शब्दों की याद दिला सकता था। मजबूत बनो।

या, दृढ़ रहें, वे शब्द जो परमेश्वर ने अध्याय 1, छंद 6 और 9 में यहोशू के लिए कहे थे। दिलचस्प बात यह है कि लोग पश्चाताप करते हैं। हम सभी ऐसे उदाहरणों को जानते हैं जहां आपके पास ऐसे लोग हैं जिनका आप सामना करते हैं, और आप उन्हें शब्दों के साथ सामना करते हैं, और वे पाप को उचित ठहराते हैं, या वे अन्य लोगों को दोषी ठहराते हैं। लेकिन इस मामले में, श्लोक 5 और 6 में, कम से कम शुरुआत के लिए, कम से कम पश्चाताप प्रतीत होता है।

5 तब एज्रा ने उठकर मुख्य याजकों और लेवियों को और सारे इस्राएल को शपथ खिलाई, कि जैसा कहा गया है वैसा ही करेंगे। तो उन्होंने शपथ ले ली।

6 तब एज्रा परमेश्वर के भवन के साम्हने से हट गया, और एल्याशीब के पुत्र यहोहानान की कोठरी में गया, और वहां उसने रात बिताई, और न तो रोटी खाई और न पानी पिया, क्योंकि वह बंधुओं की विश्वासघाती पर विलाप कर रहा था।

इतना ही नहीं, श्लोक 7 और

8.7 और यहूदा और यरूशलेम भर में सब बंधुओं के लिथे यह प्रचार कराया गया, कि वे यरूशलेम में इकट्ठे हों, **8** और यदि कोई तीन दिन के भीतर न आए, तो हाकिमों और पुरनियों की

आज्ञा से उसकी सारी संपत्ति जब्त कर ली जाए, और वह आप ही बंधुओं की मण्डली में से निकाल दिया जाए।

फिर, यह बहुत कठोर लगता है, लेकिन इसका उद्देश्य सभी को एक साथ लाना था, श्लोक 9 और 11।

9 तब यहूदा और बिन्यामीन के सब पुरुष तीन दिन के भीतर यरूशलेम में इकट्ठे हुए। यह नौवां महीना था, महीने का बीसवां दिन। और सब लोग इस बात के कारण और भारी वर्षा के कारण कांपते हुए परमेश्वर के भवन के साम्हने खुले चौक में बैठ गए। **10** और एज्रा याजक ने खड़े होकर उन से कहा, तुम ने विश्वास तोड़ कर पराई स्त्रियों से ब्याह किया है, इस से इस्राएल का अपराध बढ़ गया है। **11** इसलिये अब अपने पितरों के परमेश्वर यहोवा के साम्हने अंगीकार करो, और उसकी इच्छा पूरी करो। अपने आप को उस देश के लोगों और परदेशी स्त्रियों से अलग करो।” कभी-कभी एक नेता का काम पाप का सामना करना होता है और एज्रा यही करता है। आपने विश्वास तोड़ा है और विदेशी महिलाओं से शादी की है। प्रभु के सामने स्वीकारोक्ति करें।

फिर से, वह लोगों से पाप स्वीकार करने और निश्चित रूप से पश्चाताप करने और उस पाप से दूर होने के लिए कह रहा है। पाप की पहचान करना ही पर्याप्त नहीं है। पाप को स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं है।

हमें पाप का पश्चाताप करने की आवश्यकता है। हमें उस पाप से दूर होने की आवश्यकता है। यहाँ खुद को अलग करना पवित्रता के विचार की ओर इशारा करता है।

और फिर, हम लोगों की प्रतिक्रिया देखते हैं। वे अपने पाप को उचित नहीं ठहराते। वे अपने पाप को छिपाते नहीं।

वे अपने पाप के लिए कोई बहाना नहीं बनाते. श्लोक 12 और आगे.

12 तब सारी सभा ने ऊंचे शब्द से उत्तर दिया, हां ऐसा ही है; हमें वैसा ही करना होगा जैसा आपने कहा है। **13** परन्तु लोग बहुत हैं, और भारी वर्षा का समय है; हम खुले में खड़े नहीं हो सकते. न यह एक या दो दिन का काम है, क्योंकि इस विषय में हम ने बड़ा अपराध किया है। **14** हमारे अधिकारी पूरी विधानसभा में खड़े रहें. हमारे नगरों में जितने लोगों ने पराई स्त्रियां ब्याह ली हैं वे सब नियत समय पर आएँ, और उनके संग नगर नगर के पुरनिये और न्यायी भी आएँ, जब तक कि इस विषय पर हमारे परमेश्वर का भड़का हुआ क्रोध हम पर से दूर न हो जाए।

अपराध स्वीकार करना अत्यंत आवश्यक है और पश्चाताप प्रक्रिया का महत्व। और लोग एज्रा के अभियोग से सहमत हैं। यह तो काफी। जैसा आपने कहा है हमें वैसा ही करना होगा।

और वे ऐसा करने के लिए सहमत हैं, लेकिन वे समय मांग रहे हैं। और आप कह सकते हैं, हर कोई इससे सहमत है, है ना? सभी ने खड़े होकर तालियाँ बजाईं। नहीं।

श्लोक 15 और कहते हैं,

केवल असाहेल के पुत्र योनातान और टिकवा के पुत्र

यहजेयाह ने इसका विरोध किया। और फिर जब आपका विरोध होता है तो क्या होता है? खैर, उन्हें समर्थक मिल जाते हैं।

"और लेवियों मशुल्लाम और शब्बतै ने उनका समर्थन किया।"

न केवल उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा, बल्कि उन्हें नेतृत्व से भी विरोध का सामना करना पड़ा, इस मामले में, लेवी नेतृत्व से।

16 फिर लौटे हुए बंधुओं ने वैसा ही किया। याजक एज्रा ने अपने-अपने पितरों के घरानों के अनुसार पितरों के घरानों के मुखियाओं को *קָהָן*, और उनमें से हर एक का नाम लेकर उसे नियुक्त किया। दसवें महीने के पहले दिन वे इस मामले की जाँच करने के लिए बैठे; **17** और पहले महीने के पहले दिन तक उन सब पुरुषों का अन्त हो गया, जिन्होंने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह किया था।

विरोध के बावजूद, एज्रा लोगों की सिफारिश को ध्यान में रखता है।

उनका काम 110 मामलों की जांच करना है। और उनका काम तीन महीने तक चलता है। वाह। यह बहुत है। और हमें श्लोक 18 से 44 में बताया गया है कि ये लोग कौन हैं। अगर आपको कभी नींद आने में समस्या होती है, तो आप हमेशा इस सूची को देख सकते हैं और यह आपको बहुत जल्दी सोने में मदद करेगी।

लेकिन उनका उल्लेख इसलिए किया गया है क्योंकि यह महत्वपूर्ण है। कृपया ध्यान दें, श्लोक 18 और 19 में याजकों के पुत्रों के बारे में बात की गई है। फिर से, आप नेतृत्व करने वालों के परिवारों में आने वाले पापों के बारे में बात कर रहे हैं।

जब आप इस सूची को देखते हैं, तो आपको 17 पुजारी, 6 लेवी, 3 द्वारपाल, 1 गायक और 84 आम लोग मिलते हैं। एली के दिनों की तरह, 1 शमूएल 1-3 में, याजकों के कुछ बेटों ने भी अंतर्जातीय विवाह के पाप किए हैं। फिर से, यह तथ्य कि सूची पुजारियों से शुरू होती है, फिर से इस तथ्य को उजागर करता है कि धार्मिक नेता और उनके परिवार पाप से मुक्त नहीं हैं।

श्लोक 20 से 24, फिर से आपके पास शेष सांस्कृतिक अधिकारी, लेवी, गायक, द्वारपाल हैं। श्लोक 25 से आरंभ करते हुए, आपके पास संपूर्ण इस्राएल के अधीन सामान्य जन हैं। और फिर यह संकेत देकर अचानक समाप्त हो जाता है, और मैं उद्धृत करता हूँ, कुछ महिलाओं ने तो बच्चे भी पैदा कर लिए थे।

इस तरह किताब समाप्त होती है। किसी किताब को खत्म करने का बहुत ही दिलचस्प तरीका। लेकिन फिर, व्यावहारिक दृष्टिकोण से, मसीह के अनुयायी के लिए, आपके पास प्रार्थना है, आपके पास उपवास है, आपके पास पाप की स्वीकारोक्ति है, पाप का पश्चाताप है।

यह बहुत व्यावहारिक है क्योंकि एक समय होता है जब हमें प्रार्थना करने के लिए अपने घुटनों पर बैठने की आवश्यकता होती है, लेकिन एक समय ऐसा भी होता है जब हम अपने घुटनों पर बैठते हैं और कुछ करते हैं। धर्मपरायणता, जैसा कि किसी ने कहा है, धर्मपरायणता तैयारी का विकल्प नहीं है, और न ही तैयारी धर्मपरायणता का विकल्प है। दोनों को साथ चलना होगा।

एज्रा अपने घुटनों पर बैठकर प्रार्थना करना शुरू करता है, लेकिन फिर वह आगे बढ़ता है और पाप के बारे में कुछ करता है। धर्मपरायणता और तैयारी, धर्मपरायणता और कार्य को एक साथ चलने की आवश्यकता है। और यही एज्रा की पुस्तक है।

यह यहीं खत्म नहीं होता। याद रखिए, यह नहेम्याह से भी आगे बढ़ता है, और हम अगली बार इस पर विचार करेंगे।

यह डॉ. टिबेरियस राटा एज्रा और नहेम्याह की पुस्तकों पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 5, एज्रा 9-10 है।